

उचित परिणाम तक पहुंचना 9. अंत, समाप्ति, मृत्यु, मौत 10. वध, हिंसा 11. यज्ञ का मुख्य अंग 12. गुप्तचरों का वर्ग, दल 13. पेशा, व्यवसाय 14. गिरोह, जत्था, दल 15. राजाज्ञा, राजादेश 16. सादृश्यता, समानता 17. संघटित वर्ग, समाज, समूह।

संस्थान पुं. (तत्.) 1. ठहराव, स्थिति, स्थापन 2. अस्तित्व 3. देश 4. सार्वजनिक बैठक स्थान 5. किसी राज्य के अंतर्गत जागीर आदि 6. साहित्य, विज्ञान, कला आदि की प्रोन्नति के लिए स्थापित संस्था, समाज 7. प्रबंध, व्यवस्था 8. जनपद, बस्ती 9. रूप, आकृति, शकल 10. कांति, चमक, सौन्दर्य, सुंदरता 11. प्रकृति, स्वभाव 12. अवस्था, दशा 13. जोड़, योग 14. अंत, समाप्ति, नाश, मृत्यु 15. निर्माण, रचना 16. निकटता, सामीप्य, पड़ोस 17. चौराहा, चौमुहानी 18. चौखटा, खांचा, ढांचा, सांचा 19. रोग लक्षण 20. ब्रिटिश शासन के समय देशी रियासत।

संस्थापक वि. (तत्.) 1. स्थापना करने वाला, संस्थापन करने वाला 2. निर्माता, स्थापित करने वाला 3. नये कार्य का प्रवर्तक 4. चित्र/खिलौना आदि बनाने वाला 5. आकार या रूप देने वाला 6. किसी संस्था, सभा, समाज का वह प्रथम व्यक्ति जिसने उसकी स्थापना की हो।

संस्थापन पुं. (तत्.) 1. अच्छी तरह जमाकर बैठाना या रखना 2. मशीनों, यंत्रों आदि को किसी स्थान पर स्थापित करना, प्रतिष्ठित करना 3. संस्थापित यंत्र-समूह जैसे कारखाना, प्रस्थापन 4. किसी नई चीज जैसे- मशीनरी को बनाकर खड़ा करना, लगाना, निर्माण 5. कोई नया काम चलाना अथवा उसके लिए नई संस्था स्थापित करना 6. उक्त प्रकार से स्थापित संस्था अथवा उसमें कार्यरत लोगों का वर्ग, समूह Establishment 7. किसी कार्य, वस्तु को नया आकार, रूप देना 8. रोकना, नियंत्रित करना 9. प्रशमन, शांत करना स्त्री. (तत्.) संस्थापन।

संस्थित वि. (तत्.) 1. स्थित, रुका हुआ, ठहरा हुआ 2. अच्छी तरह से जमा या बैठा हुआ 3. किसी नये और विशिष्ट रूप में आया, लाया हुआ 4. निर्मित करके लगाया गया 5. एकत्र किया गया 6. मरा हुआ, मृत।

संस्थूल वि. (तत्.) 1. भारी, स्थूल, महाकाय 2. ठोस, संपिंडित 3. प्रभावशाली।

संस्पृधा स्त्री. (तत्.) स्पर्धा, ईर्ष्या, प्रतिद्वन्द्विता, मुकाबला, होड़, प्रतियोगिता।

संस्पर्श पुं. (तत्.) अच्छत तरह से पूरी तरह से छूना, स्पर्श करना।

संस्पृष्ट वि. (तत्.) 1. स्पर्श किया गया, छुआ हुआ 2. किसी के साथ लगा, सटा हुआ, बंधा हुआ 3. समीपस्थ, जो बहुत पास हो 4. जिस पर किसी का थोड़ा या नाम मात्र का प्रभाव पड़ा हो।

संस्मरण पुं. (तत्.) 1. बार-बार स्मरण करना, याद आना या याद करना 2. पूर्व जनम के संस्कारों आदि के कारण बना रहने वाला, उत्पन्न होने वाला ज्ञान 3. किसी महान या विशिष्ट व्यक्ति के संबंध में उसकी महत्वपूर्ण बातों या घटनाओं का उल्लेख करना, बताना।

संस्मरणीय वि. (तत्.) 1. याद करने योग्य, याद रहने लायक, जिसका अक्सर स्मरण होता रहता है 2. जिसका संस्मरण (नाम, जप आदि) करना अवश्यक या उचित हो।

संस्मारण पुं. (तत्.) 1. याद दिलाना, स्मरण करना 2. चौपायों आदि की गिनती करना, पशु-गणना।

संस्मृत वि. (तत्.) याद, स्मरण किया हुआ।

संस्मृति स्त्री. (तत्.) पूर्ण स्मृति, पूरी याद।

संभव पुं. (तत्.) 1. अच्छी तरह बहना, संप्रवाह 2. बहती हुई वस्तु, चीज 3. जल प्रवाह, धारा 4. तरल पदार्थ का टपकना, बहना, रिसाव 5. किसी वस्तु में से उखाड़ा या नोचा हुआ अंश 6. एक प्रकार का पिण्डदान।